

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. बौद्धों के अनुसार इसी जीवन में संभव है -

Ans. निर्वाण

2. बौद्धों के अनुसार मृत्यु के बाद संभव होना है -

Ans. परित्तिर्वाण

3. बौद्धों के अनुसार निर्वाण का अर्थ होता है -

Ans. बूझा हुआ, शीतलता

4. किसने कहा है कि निर्वाण का अर्थ जीवन का अंत है।

Ans. दीनघान सम्प्रदाय

5. महात्मा बुद्ध का आत्मा-संबंधी कियार कहेला है -

Ans. अनात्मवाद

6. महात्मा बुद्ध के अनुसार ज्ञान की सत्रा है ?

Ans. क्षणिक

7. बौद्ध-दर्शन में ईश्वर की सत्रा क वथा कथा जथा है ?

Ans. निषेध

8. 'शून्य' का अर्थ प्राश्चदिक मत में वथा है ?

Ans. वर्णानातीत

9. शून्यवाद का दूसरा नाम है -

Ans. शाने शवाद

10. योगाचार विशानवाद के प्रवर्तक है -

Ans. अरांग, व सुबन्धु

11. 'लंकावतार-सूत्र' किसका प्रमुख ग्रंथ है ?

Ans. विशानवाद

12. विशानवादियों के अनुसार 'विशान से अलग किसी वस्तु की सत्रा नहीं है। प्राश्चदय दर्शन में किस दार्शनिक ने मेळ खाता है ?

Ans. बर्कले